



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 363]  
No. 363]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 9, 1986/भाद्रा 18, 1908  
NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 9, 1986/BHADRA 18, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

## परिवहन मंत्रालय

(जन-सुख परिवहन विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1986

का. प्रा. 662(अ) — केन्द्रीय सरकार, मोटरयान अधिनियम, 1939 की धारा 36, उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा संलग्न अनुसूची में उल्लिखित वाहनों के पंजीकरण की अधिनियम सुरक्षित लदान भार तथा ट्रेलर के आयामों सहित अनुमोदन प्रदान करती है :

### अनुसूची

- ट्रैक्टर की बैसिंग संख्या 60705
- ट्रैक्टर की इजन संख्या धार.एम. 4336
- ट्रेलर की बैसिंग संख्या एच.ई. डब्ल्यू. डब्ल्यू. टी. 0006
- सुझाया गया भार :  
लदान रहित भार 46.4 टन  
भाय भार 220 टन  
कुल लदान भार 266.4 टन
- आयाम :  
कुल लम्बाई 48.704 मीटर  
कुल चौड़ाई 3.210 मीटर  
कुल ऊँचाई 3.380 मीटर

6. वाहन का प्रकार

लोबीड, टीयरिंग टाइप ट्रेलर मैसर्स सीरा इंजीनियरिंग वर्क्स एंड 6X4 घरोनी फास्ट अन्तर ट्रैक्टर द्वारा निर्मित है।

7. स्वामित्व

सुरेश कुमार लारी ट्रांसपोर्ट, मद्रास उपर्युक्त छूट ऊपर विवेचित आर्टिकुलेटेड वाहनों के संदर्भ में, अधिभार नियत करने के उद्देश्य से निम्नलिखित शर्तों के आधार पर दी गई है :—

1) राज्य सरकार द्वारा इंगित मार्गों के सभी स्ट्रक्चर क्योंकि अनुसूचित हैं अतः उन पर विभागीय इंजीनियरों की संतुष्टि के अनुसार गतिरोधक अथवा विना निर्देश बनाए जाएँ।

2) राष्ट्रीय राजमार्ग नं. 4 के सहर्ष की सीमा के अंतर्गत आने वाले सभी मौजूद स्ट्रक्चरों पर गतिरोधक बनाए जाएँ। जब भी इन गतिरोधकों की मरम्मत का कार्य किया जाए तो हार्डवेयर रनर्स तथा स्टील प्लेटों सहित साथ-साथ मिली हुई स्टील किंस्क का प्रयोग किया जाए ताकि लोड ट्रांसमिशन में एक रूपता रहे।

3) सड़क पर गतिरोधक तथा विना निर्देश बनाने का कार्य ट्रांसपोर्ट के अपने जोखिम व लागत पर तथा इस विभाग के विभागीय इंजीनियर की संतुष्टि के अनुसार किया जाए।

4) ट्रांजिट के दौरान राजमार्ग एवं सामान्य कार्य विभाग का प्रतिनिधि भी लिया जाए जो सहायक विभागीय इंजीनियर से निम्न पत्र का न हो। ट्रांसपोर्ट द्वारा पायलटिंग प्रबन्ध किया जाए।

5) वाहन की चालन क्षमता का पता लगाने के लिए स्ट्रक्चरों पर प्रतिरोधक का कार्य पूरा होने के पश्चात् परीक्षण हेतु खाली स्थिति में वाहन का एक चक्कर लगाया जाए।

6) वाहन के आवागमन के कार्यक्रम की सूचना सम्बद्ध विभागीय इंजीनियरों को कम से कम 10 दिन पहले दे दी जाए तथा उनकी क्लियरेंस भी ली जाए।

7) सड़क की सतह के टूट फूट हो जाने की वजह से ट्रामपोटर्स के अपने जोखिम और लागत पर उनकी उचित मरम्मत का कार्य किया जाए।

8) यह आवश्यक किया जाए कि इस वाहन के चलते समय कोई अन्य वाहन सड़क पर न हो।

9) अधिकतम एक्सल भार तथा न्यूनतम लदान भार अनुसूची में दी गई सीमाओं से अधिक न हो।

10) कुल लम्बाई, चौड़ाई तथा ऊँचाई क्रमशः 48.704 मी., 3.210 मी., 3.380 मी. से अधिक नहीं हो।

11) ट्रान्जिट के दौरान उक्त कम्प्लीनेशन प्रथवा उनके कस्टैडस द्वारा की जाने वाली क्षति के लिए राजमार्ग एवं ग्रामीण कार्य विभाग उत्तरदायी नहीं है।

12) वाहनों के आवागमन के कारण प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सड़क एवं सड़क स्ट्रक्चर को सभी टूट फूट के लिए कंपनी जिम्मेदार होगी तथा वह राजमार्ग एवं ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा प्रत्यांकित की गई सभी क्षतियों के लिए उत्तरदायी होगी।

13) उक्त वाहन ट्रैफिक की सामान्य गति के साथ बिना किसी रुकावट के चलाया जा सकता है।

14) वाहनों की एक्स्ट्रीमिटीज का स्पष्टतया संकेत करने के लिए सभी आवश्यक चेतावनी सिग्नलों तथा दिन में पाल झंडी और रात्रि में लाल बल्लियों की व्यवस्था की जाए।

15) स्वीकृत अनुमति अथ केवल सड़कों के उन्हीं भागों पर लागू होगी जो राजमार्ग एवं ग्रामीण कार्य विभाग के व्यावधिकार के अंतर्गत आती हैं तथा स्थानीय निकायों एवं अन्य विभागों से सम्बद्ध सड़कों और सड़क स्ट्रक्चरों पर अपने वाहनों के प्रचालन की अनुमति संबंधित प्राधिकारियों की कंपनी द्वारा ली जाए।

16) यह अनुमति इस प्रदेश के जारी होने की तिथि से केवल एक वर्ष की अवधि तक के लिए वैध होगी चाहिए।

17) वाहनों के लिए इस अनुमति की मंजूरी राजमार्ग एवं ग्रामीण कार्य विभाग के स्थानीय अधिकारियों को इन वाहनों के आवागमन को स्वयं करने अथवा नियमित करने की छूट नहीं देती जो सड़क एवं सड़क स्ट्रक्चरों को वजह को ध्यान में रखते हुए स्थिति की आवश्यकता पर निर्भर करते हैं।

18) यह अनुमति इस वजह से स्वीकार का गर्ह है कि आवेदक को मंजूर किए गए अधिकतर भार के लिए अतिरिक्त कर भी वसूल करना होगा।

[भार टी-11011/7/86 ; टी ए जी]  
बी. भार. चन्हाण, संयुक्त सचिव

#### MINISTRY OF TRANSPORT

(Department of Surface Transport)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 9th September, 1986

S.O. 662(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 36 of Motor Vehicles Act, 1939, the Central Government hereby accords approval to the registration of following vehicles with the maximum safe laden weight

and dimensions of the trailer mentioned in the schedule appended hereto :—

#### SCHEDULE

1. Chassis number of tractor 60705
2. Engine number of tractor RM4336
3. Chassis number of trailer HEW-WT-0006.
4. Recommended load :  
Unladen weight 46.4 tonnes.  
Pay load 220 tonnes.  
GLW 266.4 tonnes.
5. Dimensions  
Overall length 48.704 mts.  
Overall width 3.210 mts.  
Overall height 3.380 mts.
6. Type of vehicle Lowbed, tearing type trailer manufactured by M/s Meera Engineering Works and 6x4 Throne Craft Antar tractor.
7. Owned by : Suresh Kumar Lorry Transport, Madras.

2. The above relaxation for the purpose of assigning higher weight limit in respect of the articulated vehicles the description of which is indicated above, is given on the basis of following conditions :—

- (1) All the structures on the routes indicated by the State Government being unsafe shall be propped or diversion formed to the satisfaction of Departmental Engineers.
- (2) All the existing structures within City limit of NH4 should be propped. Whenever propping is restored to, it shall be done with closely packed steel cribs with horizontal runners and steel plates so as to ensure uniform load transmission.
- (3) Propping of the structures or formation of diversion road should be done by the transporter at his risk and cost and to the satisfaction of the Divisional Engineers of this Department.
- (4) A representative of Highways and Rural Works Department not below the rank of Asstt. Divisional Engineer should be taken along during the transit. Piloting arrangements should be made by the transporter.
- (5) For assessing the manoeuvrability of the vehicle, a trial run in empty condition should be made after carrying out propping of structures.
- (6) The programme of movement of the vehicle should be intimated at least ten days in advance to the Divisional Engineers concerned and their clearance should be obtained.
- (7) In the event of damages to the road crust, proper rectification should be carried out by the transporters at his risk and cost.
- (8) It should be ensured that no other vehicle is on the structure while this vehicle is moved.
- (9) The maximum axle weight and minimum laden weight shall not exceed the limits indicated in the schedule.
- (10) The overall length, width, height shall not be more than 48.704m, 3.210m, 3.380 m. respectively.

- (11) The Highways and Rural Works Department is not responsible for any damage that may be sustained either by the said combination or their contents during the transit.
- (12) The Company shall be responsible for all damages caused to the road and the road structures either directly or indirectly due to the movement of the vehicles and they shall be liable for all damages as assessed by the Highways and Rural Works Department.
- (13) The said vehicles shall be moved without any hindrance to the normal flow of traffic.
- (14) All the necessary warning signals such as red flag in the day time and red lights in the night time shall be provided to indicate the extremities of the vehicles clearly.
- (15) The permission granted now shall apply only to the portions of the roads lying within the jurisdiction of

Highways and Rural Works Department and permission for plying their vehicles over roads and road structures vested with the local bodies and other departments in the route if any has to be obtained by the Company from the concerned authorities.

- (16) This permission shall be valid only for a period of one year from the date of issue of this order.
- (17) The grant of this permission to vehicles does not prevent the local officers of Highways and Rural Works Department from regulating or stopping the movement of these vehicles depending upon the exigencies of the situations and having regard to the condition of the road and road structures.
- (18) This permission is granted on condition that the petitioner should pay additional tax also for the higher weight permitted.

[RT-11011/7/86-TAG]

B.R. CHAVAN, Jt. Secy.

